International Journal of Trend in Scientific Research and Development (IJTSRD)
Volume 7 Issue 4, July-August 2023 Available Online: www.ijtsrd.com e-ISSN: 2456 – 6470

राष्ट्रीय सेवा योजना की वर्तमान समय में उपादेयता

Dr. Ashutosh Tripathi

Associate Professor, Department of Chemistry, (Program Officer),
NSS, K.S. Saket PG College, Ayodhya, Uttar Pradesh, India

सार

राष्ट्रीय सेवा योजना (National Service Scheme-NSS) राष्ट्र की युवाशक्ति के व्यक्तित्व विकास हेतु युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित एक सक्रिय कार्यक्रम है।[1] इसके गतिविधियों में भाग लेने वाले विद्यार्थी, समाज के लोगों के साथ मिलकर समाज के हित के कार्य करते है। साक्षरता संबंधी कार्य, पर्यावरण सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं सफाई आपातकालीन या प्राकृतिक आपदा के समय पीड़ीत लोगों की सहायता आदि। विद्यार्थी जीवन से ही समाजपयोगी कार्यों में रत रहने से उनमें समाज सेवा या राष्ट्र सेवा के गुणो का विकास होता है।

How to cite this paper: Dr. Ashutosh Tripathi "Usefulness of National Service Scheme at Present" Published in International Journal of Trend in Scientific Research and Development (ijtsrd), ISSN: 2456-6470, Volume-7 | Issue-4, August 2023, pp.123-126, URL: www.ijtsrd.com/papers/ijtsrd59650.pdf

IJTSRD59650

Copyright © 2023 by author (s) and International Journal of Trend in Scientific Research and Development Journal. This is an Open Access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution License (CC BY 4.0) (http://creativecommons.org/licenses/by/4.0)

परिचय

नेहरू युवा केंद्र की स्थापना सन 1972 में की गई थी। नेहरू युवा केंद्र संगठन (NYKS) भारत सरकार के तहत युवा मामले और खेल मंत्रालय का एक स्वतंत्र निकाय है। इस संगठन में राष्ट्र के लिए गतिविधियों में यूथ क्लबों के माध्यम से युवाओं को शामिल किया जाता है और उन्हें मेहनती और जवाबदेह भारतीय नागरिक बनने के लिए कौशल और मूल्यों के साथ प्रशिक्षित किया जाता है। नेहरू युवा केंद्र संगठन में एक प्रतिष्ठित युवाओं को काम के लिए ऊर्जावान और प्रतिबद्ध बनाता है।[1,2]

नेहरू युवा केंद्र में जॉब नेहरू युवा केंद्र में राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक के रूप में युवा नेहरू युवा केंद्र ज्वाइन कर सकता है जिसे एन वाई वी कहते हैं। NYV के रोल युवा क्लबों और विकास विभागों के बीच एनवाईवी की उत्प्रेरक एजेंट की प्रमुख भूमिका है। NYV को अपने ब्लॉक का यूथ प्रोफाइल तैयार करना होता है। NYV आईटी सेवी होने के लिए आवश्यक है, युवा कार्यक्रम की रिपोर्ट / प्रलेखन तैयार करने और ऑनलाइन अपलोड करने की क्षमता होनी चाहिए। NYv को मीडिया / समाचार विवरण के लिए रिपोर्ट तैयार करने के बारे में भी जानकारी दी जाती है। आवश्यक मोबाइल ऐप्स का उपयोग करना जानना जरूरी है (उदाहरण के लिए डिजीधन, डिजिटल इंडिया आदि)। नए युवा क्लबों का गठन, अयोग्य युवा क्लबों की सक्रियता प्रत्येक स्वयंसेवक का प्रमुख कार्य है।[3,4] युवा क्लबों की मदद से एनवाईके नियमित और विशेष कार्यक्रम का आयोजन करना। समुदाय विकास कार्यक्रम में खुद को शामिल करने के लिए युवा क्लब के सदस्यों का मार्गदर्शन करना और उन्हें प्रेरित करना। एनआईसी, कौशल प्रशिक्षण के लिए युवा क्लबों के सक्रिय / समर्पित सदस्यों की सिफारिश करना, DISTRICT YOUTH COORDINATOR को अंतरराष्ट्रीय युवा विनिमय कार्यक्रम आदि युवा क्लबों द्वारा संचालित प्रोग्रामो के रिकॉर्ड को बनाए रखना। नियमित रूप से अपने काम को उजागर करने वाली नियमित रिपोर्ट / ऑनलाइन रिपोर्ट प्रस्तुत करना। ब्लॉक / जिले में विकास विभागों और युवा

कार्य एजेंसियों के साथ संपर्क बनाए रखना। संबंधित केंद्र में नियमित रूप से बैठकों में भाग लेना। नेहरू युवा केंद्र में जिला युवा समन्वयक भी होता है जिसके अंडर एन वाई वी काम करता है।

जिला युवा समन्वयक की भूमिका :- संबंधित जिला युवा समन्वयक चयन समिति के संयोजक होने के नाते, पूरी चयन प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखने के लिए जिम्मेदार होता है। युवा समन्वयक राज्य निदेशक को नियमित आधार पर चयन के लिए उठाए गए सभी कदमों की जानकारी देना आवश्यक होता है। प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टीओटी) राज्य निदेशक एक मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण संस्थान में एनवाईकेएस अधिकारियों और संसाधन व्यक्तियों के लिए दो दिन टीओटी आयोजित करने के लिए जिम्मेदार होता है। नेहरू युवा केंद्र जॉब प्रोफाइल :- नेहरू युवा केंद्र स्वयंसेवक वेतन :- अधिकारियों द्वारा सूचीबद्ध सकल परिलब्धियों के अनुसार 5000 / - रुपए प्रति माह एन वाई वी को दिया जाता है। इसमें तैनाती सिर्फ दो साल के लिए की जाती है। नेहरू युवा केंद्र सफाई अभियान, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, स्वच्छता जागरूकता, बीमारियों प्रति जागरूकता, खेल सामग्री वितरित करना, हमारे वीर क्रांतिकारियों की जन्मदिन व शहीदी दिवस मनाना, युवा सप्ताह मनाना, सफाई अभियान,बच्चे, बूढ़े, महिलाओं की रेस करवाना तथा समय-समय पर ग्रामीणों को, युवाओं को, महिलाओं को, बेटियों को जागरूक करना तथा उनके अधिकार बताना आदि बहुत से कार्य करता है।[4,5]

विचार-विमर्श

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) एक भारतीय सरकारी क्षेत्र का सार्वजनिक सेवा कार्यक्रम है जो भारत सरकार के युवा मामले [1] और खेल मंत्रालय द्वारा संचालित किया जाता है। एनएसएस के रूप में लोकप्रिय, यह योजना 1969 में गांधीजी के शताब्दी वर्ष में शुरू की गई थी। सामुदायिक सेवा के माध्यम से छात्रों के व्यक्तित्व को विकसित करने के उद्देश्य से, एनएसएस कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और +2 स्तर पर कैंपस-समुदाय (विशेष रूप से) के लिए काम करने वाले युवाओं का एक स्वैच्छिक संघ है। स्वतंत्रता के बाद एस. राधाकृष्णन की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने शैक्षणिक संस्थानों में स्वैच्छिक राष्ट्रीय सेवा शुरू करने की सिफारिश की। [6,7]जनवरी, 1950 में केंद्रीय शिक्षा सलाहकार बोर्ड (सीएबीई) की बैठक में इस विचार पर फिर से विचार किया गया; इस क्षेत्र में विचार और अन्य देशों के अनुभवों की जांच करने के बाद, बोर्ड ने सिफारिश की कि छात्रों और शिक्षकों को स्वैच्छिक मैनुअल काम के लिए समय देना चाहिए। मसौदे में 1952 में सरकार द्वारा अपनाई गई पहली पंचवर्षीय योजना और एक वर्ष के लिए भारतीय छात्रों द्वारा सामाजिक और श्रम सेवा की आवश्यकता पर बल दिया गया था। 1958 में जवाहरलाल नेहरूने मुख्यमंत्रियों को लिखे एक पत्र में स्नातक स्तर की पढ़ाई के लिए समाज सेवा के विचार को एक शर्त माना। उन्होंने शिक्षा मंत्रालय को शैक्षणिक संस्थानों में राष्ट्रीय सेवा की शुरुआत के लिए एक उपयुक्त योजना बनाने का निर्देश दिया। मई 1969 में, शिक्षा मंत्रालय और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा बुलाए गए छात्र प्रतिनिधियों (विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों के) के एक सम्मेलन में भी सर्वसम्मति से सहमति व्यक्त की गई कि एक राष्ट्रीय-सेवा योजना राष्ट्रीय एकता के लिए एक साधन हो सकती है। योजना आयोग ने चौथी पंचवर्षीय योजना के दौरान एनएसएस के लिए 5करोड़ के परिव्यय को मंजूरी दी, यह निर्धारित करते हुए कि एनएसएस चयनित संस्थानों और विश्वविद्यालयों में एक पायलट परियोजना होगी। 24 सितम्बर 1969 को तत्कालीन केन्द्रीय शिक्षा मंत्री श्री. वीकेआरवी राव ने भारत के कई राज्यों में 37 विश्वविद्यालयों में एनएसएस लॉन्च किया। [8,9]इस योजना को देश के सभी राज्यों और विश्वविद्यालयों और कई राज्यों में +2 स्तर के संस्थानों तक विस्तारित किया गया है। तत्कालीन मंत्री भारत की प्रधान मंत्री श्रीमती से जुड़े हुए थे।एनएसएस की संकल्पना के साथ-साथ लॉन्च में भी नंदिनी सत्पथी का मजबूत हाथ था। एनएसएस का प्रतीक भारत के ओडिशा में स्थित विश्व प्रसिद्ध कोणार्क सूर्य मंदिर (द ब्लैक पैगोडा) के विशाल रथ पहिये पर आधारित है। पहिया सृजन, संरक्षण और मुक्ति के चक्र को चित्रित करता है। यह समय और स्थान के पार जीवन में होने वाली गति को दर्शाता है, इस प्रकार यह प्रतीक निरंतरता के साथ-साथ परिवर्तन का भी प्रतीक है और सामाजिक परिवर्तन के लिए एनएसएस के निरंतर प्रयास को दर्शाता है। पहिये में आठ पट्टियाँ दिन[1,11] के 24 घंटों का प्रतिनिधित्व करती हैं। लाल रंग दर्शाता है कि स्वयंसेवक युवा रक्त से भरपूर है जो जीवंत, सक्रिय, ऊर्जावान और उच्च भावना से भरपूर है। नेवी ब्लू रंग उस ब्रह्मांड को इंगित करता है जिसका

एनएसएस एक छोटा सा हिस्सा है, जो मानव जाति के कल्याण के लिए अपना योगदान देने के लिए तैयार है। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में सामाजिक कल्याण के विचार को स्थापित करना और बिना किसी पूर्वाग्रह के समाज को सेवा प्रदान करना है। एनएसएस स्वयंसेवक यह सुनिश्चित करने के लिए काम करते हैं कि हर जरूरतमंद को अपना जीवन स्तर बढ़ाने और सम्मान का जीवन जीने के लिए मदद मिले। ऐसा करने में, स्वयंसेवक गांवों में लोगों से सीखते हैं कि संसाधनों की कमी के बावजूद अच्छा जीवन कैसे जिया जाए। यह आपदा पीड़ितों को भोजन, कपड़े और प्राथमिक चिकित्सा प्रदान करके प्राकृतिक और मानव निर्मित आपदाओं में भी सहायता प्रदान करता है।[12,13]

परिणाम

राष्ट्रीय स्तर पर मुख्यालय में, एनएसएस निदेशालय, नई दिल्ली एनएसएस योजना का नोडल प्राधिकरण है और यह देश भर के 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों को कवर करता है। 15 क्षेत्रीय निदेशालय क्षेत्रों में नोडल प्राधिकरण हैं, जो राज्य-स्तरीय एनएसएस कोशिकाओं के साथ काम करते हैं, राज्यों के भीतर प्रत्येक विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय स्तर की एनएसएस सेल होती है जिसके तहत संस्थान (स्कूल और कॉलेज) आधारित एनएसएस इकाइयां संचालित होती हैं।[14,15] अधिकांश सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त संस्थानों में स्वयंसेवी एनएसएस इकाइयाँ हैं। संस्थानों को एनएसएस स्वयंसेवक रखने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। एक इकाई में आम तौर पर 20-40 छात्र शामिल होते हैं (यह संस्थान की क्षमता के आधार पर अधिक हो सकता है)। इन्हें स्कूल या कॉलेज के एक जिम्मेदार दल द्वारा आंतरिक रूप से प्रबंधित किया जाता है, जो एनएसएस समन्वयक को रिपोर्ट करता है। गतिविधियाँ दो प्रकार की होती हैं: नियमित गतिविधियाँ (120 घंटे) और वार्षिक विशेष शिविर (120 घंटे)। सभी एनएसएस स्वयंसेवक जिन्होंने कम से कम 2 वर्षों तक एनएसएस की सेवा की है और एनएसएस के तहत 240 घंटे का काम किया है, वे कुलपति और कार्यक्रम समन्वयक के हस्ताक्षर के तहत विश्वविद्यालय से प्रमाण पत्र के हकदार हैं। वार्षिक शिविरों को विशेष शिविरों के रूप में जाना जाता है। शिविर प्रतिवर्ष आयोजित किए जाते हैं, जो भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित होते हैं, और आमतौर पर किसी ग्रामीण गांव या शहर के उपनगर में स्थित होते हैं। स्वयंसेवक ऐसी गतिविधियों में शामिल हो सकते हैं:

1. सफाई
2. वनीकरण
3. सामाजिक समस्याओं, शिक्षा और स्वच्छता जैसे मुद्दों के बारे में जागरूकता पैदा करने वाले स्टेज शो या जुलूस
4. जागरूकता रैलियाँ
5. स्वास्थ्य शिविरों के लिए डॉक्टरों को आमंत्रित करना
6. सामुदायिक सर्वेक्षण[16,17]

कोई पूर्वनिर्धारित या पूर्वनिर्धारित कार्य नहीं हैं; यह स्वयंसेवकों पर छोड़ दिया गया है कि वे किसी भी संभव तरीके से सेवा प्रदान करें। शिविर आम तौर पर एक सप्ताह से 10 दिनों के बीच चलते हैं, हालांकि एनएसएस द्वारा छोटी अवधि के लिए भी शिविर आयोजित किए जाते हैं। अतीत में विशेष शिविर कार्यक्रमों के विषय रहे हैं 'अकाल के खिलाफ युवा', 'गंदगी और बीमारी के खिलाफ युवा', 'ग्रामीण पुनर्निर्माण के लिए युवा', 'पर्यावरण-विकास के लिए युवा', 'जन साक्षरता के लिए युवा', एल हार्मनी ', 'वाटरशेड प्रबंधन और बंजर भूमि विकास पर विशेष ध्यान देने के साथ सतत विकास के लिए युवा' 'स्वस्थ भारत के लिए स्वस्थ युवा'

कुछ संस्थानों और कॉलेजों में स्वयंसेवक नियमित रक्तदान और यातायात नियंत्रण (मंदिरों में कतारों को विनियमित करना और समारोहों में भगदड़ को रोकना) में शामिल होते हैं। श्वेतपत्र और परियोजना प्रस्तुतियाँ आयोजित करने के लिए राष्ट्रीय सम्मेलन नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं। [17] और [18]

एनएसएस भारत स्काउट्स एंड गाइड्स , नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) और राष्ट्रीय कल्याण के लिए विकसित अन्य कार्यक्रमों से मिलता जुलता है।

निष्कर्ष

एनएसएस स्वयंसेवकों, कार्यक्रम अधिकारियों (पीओ), एनएसएस इकाइयों और विश्वविद्यालय एनएसएस कोशिकाओं द्वारा प्रदान की गई स्वैच्छिक सेवा को मान्यता देने के लिए, योजना के तहत उपयुक्त प्रोत्साहन/पुरस्कार प्रदान करने का प्रस्ताव किया गया है। पुरस्कारों में शामिल हैं:

- एनएसएस राष्ट्रीय पुरस्कार
- राज्य स्तरीय पुरस्कार

- विश्वविद्यालय स्तर के पुरस्कार
- जिला स्तरीय पुरस्कार
- कॉलेज स्तर के पुरस्कार

यह पुरस्कार महाविद्यालय स्तरीय शिविर में स्वयंसेवक के सराहनीय कार्य के लिए दिया गया। और दिए गए वर्ष में छात्र का समग्र प्रदर्शन।[17,18]

एनएसएस मैनुअल

1. राष्ट्रीय समस्याओं में विद्यार्थियों का उन्मुखीकरण।
2. एनएसएस के दर्शन का अध्ययन।
3. एनएसएस की बुनियादी अवधारणाएँ और घटक।
4. राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के स्वयंसेवक।
5. विशेष शिविर कार्यक्रम.
6. मौलिक अधिकार, राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत।
7. जागरूकता कार्यक्रम, उपभोक्ता जागरूकता, उपभोक्ता अधिनियम की मुख्य बातें।
8. ग्रामीण युवाओं की कार्यात्मक साक्षरता अनौपचारिक शिक्षा।
9. पर्यावरण संवर्धन एवं संरक्षण.
10. स्वास्थ्य, परिवार कल्याण एवं पोषण।[18]

प्रतिक्रिया दें संदर्भ

[1] "युवा मामले और खेल मंत्रालय"।

[2] "हमसे संपर्क करें | राष्ट्रीय सेवा योजना"।

[3] "राष्ट्रीय सेवा योजना | युवा मामले और खेल मंत्रालय | भारत सरकार"।

[4] https://nss.gov.in/sites/default/files/Gjarat_0.pdf

[5] https://nss.gov.in/sites/default/files/Madhaya%20Pra देश.pdf

[6] "संग्रहीत प्रति" (पीडीएफ)। 2021-12-16 को मूल (पीडीएफ) से संग्रहीत। 2021-12-16 को पुनःप्राप्त।

[7] "संग्रहीत प्रति" (पीडीएफ)। 2021-12-16 को मूल (पीडीएफ) से संग्रहीत। 2021-12-16 को पुनःप्राप्त।

[8] https://nss.gov.in/sites/default/files/Mizoram.pdf

[9] https://nss.gov.in/sites/default/files/Andhra%20प्रदेश.pdf

[10] https://nss.gov.in/sites/default/files/west%20engal.pdf

[11] https://nss.gov.in/sites/default/files/बिहार.pdf

[12] "संग्रहीत प्रति" (पीडीएफ)। 2021-12-16 को मूल (पीडीएफ) से संग्रहीत। 2021-12-16 को पुनःप्राप्त।

[13] https://nss.gov.in/sites/default/files/Goa_0.pdf

[14] "हमसे संपर्क करें | राष्ट्रीय सेवा योजना"।

[15] "एनएसएस निर्देशिका | राष्ट्रीय सेवा योजना"।

[16] ट्विटर पर " @askabir_ "।

[17] राष्ट्रीय सेवा योजना-एनआईटी कालीकट अध्याय 2012-08-01 को पुनःप्राप्त।

[18] राष्ट्रीय सेवा योजना - पीजीडीएवी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय एनएसएस पीजीडीएवी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय,